http://www.karnatakastudy.com

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

CIIS-N 83 A-15
B.Com. IInd Semester Degree Examination
Hindi Basic
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

पुस्तकें :- 1) काव्यरस 2) संप्रेषण 3) अनुवाद

1. किन्हीं दो प्रश्नों के सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (2×10=20)

अ) परबत परबत मै फिरा, नैन गँवाये रोइ।

सो बूटी पाऊँ नहीं जातैं जीवन होई।।

आ) किसने सुनायो यह

वीरजन मोहन अति

दुर्जय संग्राम-राग,

फाग का खेला रण

बारहों महीने में?

इ) धूप बने उडते जाते हैं, प्रतिपल मेरे स्पंदन रे।

प्रिय-प्रिय जपते अधर, तालदेता पलकों का नर्तन रे।

2. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×10=20)

अ) चंद्रकांत देवताले कवि 'मरे हुए के बारे में' कविता सें क्या संदेश देना चाहते हैं स्पष्ठ कीजिए।

आ) 'वक्त' कविता में व्यक्त अरूणं कमल जी के विचारों को समझाईए

इ) जागो फिर एक बार कविता का सारांश लिखिए।

http://www.karnatakastudy.com

http://www.karnatakastudy.com

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×10=20)

अ) संप्रेषण क्या है? संप्रेषण के प्रमुख प्रकारों को समझाईए।

आ) रिपोर्ट किसे कहते हैं? अवश्यक तत्वों को समझाईए।

इ) व्यावसायिक पत्रों के प्रमुख तत्वों को समझाईए।

4. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×6=12)

अ) बैंक में संयक्त खाता खोलने हेतु शाखा प्रबंधक को एक आवेदन पत्र लिखिए।

आ) नोकिया मोबाईल (बातपेटी) एजेन्सी के लिए कंपनी को एक पत्र लिखिए।

इ) गंदगी साफ करवाने के लिए नगर आयुक्त को एक पत्र लिखिए।

5. हिन्दी से कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। (1×4=4)

अ) जानवर हमें दूध मक्खन और घी आदी कीमती चीजें देते हैं। बैल हल चलाते हैं, गाडीयाँ खींचते हैं, बोझ दोते हैं। इनपर हम सवारी भी करते हैं। आजकल मानव की क्रूरता के कारण कई प्राणी प्रकृति से गायब हो गये हैं। प्राणीयों का रक्षा करना हर मानव का धर्म है।

आ) कन्नड अथवा अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (1×4=4)

ಸೂರ್ಯನ ತಾಪದ ಕಾರಣದಿಂದ ಭೂಮಿ ಉರಿಯುತಿತ್ತು. ನೆಲವು ಹತ್ತಿಯಂತೆ ಸುಡುತಿತ್ತು. ಬಿಸಿಲಿನಲ್ಲಿ ಡಾಂಬರ ರಸ್ತೆಯು ಹಾವಿನಹಾಗೆ ಹೊಳೆಯುತಿತ್ತು. ಪ್ರಯಾಣಿಕರು ತನ್ನ ಎಂಜಲು ನುಂಗುತ್ತಾ ತನ್ನ ಒಣ ಗಂಟಲನ್ನು ಶಾಂತ ಪಡಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದನು. ನೀರಡಿಕೆ ಕಡಿಮೆಯಾಗುವ ಬದಲು ಹೆಚ್ಚಾಯಿತು. ಹೇಗೋ ಮಾಡಿ ಸ್ವಲ್ಪಮುಂದುವರಿದನು.

OR

The earth was burning in the heat of the Sun. The tarred road was Shining like a snake. He swallowed the saliva to keep teh throat wet. But the throat was not quenched and his thirst went on increasing some how he mannaged to walk.

http://www.karnatakastudy.com